

been pressing for the conversion of this line into a Broad Gauge line. But, due to the apathetic attitude of the Railway Board as well as the other authorities, this conversion has not taken place so far. It may be recalled that this line was established at the behest of the then Maharaja of Mayurbhanj, Shri Ram Chandra Deo, which was being managed by a company during the British days and, after Independence, this line was reduced from 166 kms. to 66 kms. Investigations now reveal that about two thousand passengers travel on this line daily and the income comes to about fifteen lakhs of rupees monthly and the income will further go up if the line is converted into a MG line. About five hundred persons, employed in the different stations give service to the people.

Madam, the line passes through the forest and mine belts of the District, Mayurbhanj. The people of other two districts, Balasore and Keonjhar, would be benefited by this line. During the current year, the Railway Board has taken a decision to convert the NG lines into BG lines in different States. But I do not understand why the authorities are totally averse to the conversion of this line.

It is reported in a section of the Press that the Railway Ministry has ignored the just claims of the people of Orissa and has decided to close down the Rupsa-Bangripasi line. I, therefore, demand that the Railway Ministry should not take any action to close down this line and that they should take suitable action to convert this line into a broad-gauge line in order to give justice to the tribal people of Orissa. It is the demand of the people of Orissa. Thank you.

Need to reduce Air India fares for Haj Pilgrims

श्री मुहम्मद अली अंसारी (उत्तर प्रदेश): मोहम्मद डिप्टी चैयरमैन साहिब! पिछले साल 23 हजार से ज्यादा लोग हिन्दुस्तान से हज कर यात्रा करने के लिए गए जिनमें से साढ़े चार हजार यात्री समुद्री जहाज से और साढ़े अठारह हजार यात्री विमानों से गए। 10 हजार सऊदी एयरलाइंस से और एयर इंडिया से 13 हजार यात्रियों के लिए जहाज का आम्दोशपत का इंतजाम सरकारी हज कमेटी बम्बई ने किया था। सब परवाजों का प्रोग्राम बहुत नाबिस व बेतरतीब रहा। तबरीब 5 हजार आजमिने हज की दिल्ली से परवाज करना था। आम्दोशपत दिल्ली जहाज का किराया 8323 रु. लिया गया जो बहुत ज्यादा है। ये फर्जाई कम्पनियां तिजारती इदारे हैं। ये सेंट्रल हज कमेटी बम्बई को कमीशन देती हैं। सबूत के तौर पर कहा जा रहा है कि अगर खुले बाजार में कोई एकमुश्त 23 हजार टिकट खरीदे तो 8323 रु. से घटकर तबरीब छः हजार रु. रह जाएगा। मैं बजारते खारजा से कहना चाहता हूँ कि अगर सेंट्रल हज कमेटी बम्बई ने 23 हजार टिकट खरीदे हैं तो उसको कितना कमीशन मिला है? इस मतलब जो कमीशन विमान कम्पनियों से तय हो वह एकम आजमिने जहाज के किराए से घटाकर ड्राफ्ट किराए का ले ताकि सीधे बोझ रुपए का हज यात्रियों पर न पड़े।

महोदया, जो एयर इंडिया का किराया बहुत ज्यादा है। भारत सरकार एयर इंडिया पर दबाव डाले और पूरी जिम्मेदारी ले कि वह नो प्रॉफिट नो लास बेसिस पर हज के नेक काम के लिए परवाजों का इंतजाम करे और जनवरी के दूसरे हफ्ते में तैयारी के प्रोग्रामों का पहले से ऐलान करे।

महोदया, पिछले साल जार्डन की चार्टर कंपनी ने कलकत्ता-जहा आम्दोशपत किराया छः हजार छः सौ रुपये लिया था। इसके मुकाबले में एयर इंडिया का किराया 11 हजार रु. से ज्यादा था। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि कितना मुनाफा है सरासर लूट का प्रधा बन गया

[श्री मोहम्मद अमीन अंसारी]

है। गल्फ के चार्टर विमानों का किराया बहुत कम है। उसी हिसाब से एयर इंडिया को किराया लेना चाहिए। सरकार गौर और फिक्र करे।

महोदया सैकल्युरिज्म की बुनियाद पर हमारी जम्हूरियत की ऊँचे मजबूत है। यही वजह है कि सरकार हो या रियासती सरकारें, हर सरकार धर्म मजहब वालों के धार्मिक मौकों पर राहत व इंतजाम के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है। हज भी इस्लाम मजहब के मानने वालों के फरायज में एक मृत-वर्तिक अहम फर्ज है। क्या सरकार इसमें हाथ बंटाएंगी। उसे इसमें हिस्सा लेना चाहिए।

महोदया जी, पिछले साल आज़मीन हज को दिल्ली बंबई में जबरदस्त मुसीबतों, तकलीफों और बेइज्जती के अलावा हज जैसे मृतवर्तिक फरोजे से महकूम रहना पड़ा। यह सारी जिम्मेदारी सरकार हज कमेटी खास तौर से दिल्ली व यू०पी० हज कमेटियों की नाअहली, कोताही, बदइंतजामी, जुल्म-ओ-सितम, व बद-उन्वानियों की चीखों पुकार चारों तरफ गूँजती रही। अखबारों में वाकयात तफसील से छपते रहे। मगर अफसोस है अभी तक दिल्ली और यू० पी० हज कमेटी बर्खास्त नहीं की गई जिससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है। इन दोनों हज कमेटियों को फौरन बर्खास्त किया जाए, नई कमेटियाँ बनाई जाएं जिनमें तजुर्वकार, दीनदार, मेहनती, बेलास, ईसाइ कुरबानी का जज्बा रखने वाले लोग शामिल किए जाएं। जल्द से जल्द सरकार हज कमेटी बंबई को भय दपतर के दिल्ली मुन्तकिल किया जाए। इसका नाम सेंट्रल हज कमेटी दिल्ली रखा जाए। यह स्टेट हज कमेटियों की तरह बंबई हज कमेटी की हैसियत से महाराष्ट्र स्टेट हज कमेटियों व सिर्फ समुद्री जहाजों और बंबई से परवाज करने वाले तैयारों का इंतजाम सेंट्रल हज कमेटी दिल्ली के हिदायत पर अमल करें। स्टेट हज कमेटियाँ अपने कोटे के मुताबिक अपनी स्टेट में समुद्री जहाजों व विमानों का कोटा अदाजी सरकार के प्रोग्रामों के मुताबिक करें। और उसकी तहरीरी इतिला सेंट्रल हज कमेटी

दिल्ली को भेजे ताकि आज़मीन हज को अपने जहाजों का प्रोग्राम पहले से मालूम हो सके।

आज़मीन हज की सहूलियत व भीड़भाड़ कम जहो, इसके लिए हवाई जहाजों का इंतजाम जद्दा के लिए बंबई, बंगलौर, मद्रास, श्रीनगर, दिल्ली, बलक्ता वाराणसी या इलाहाबाद से किया जाए।

हिन्दुस्तान के हज काम को सन 1988 के हज में एक नई दुश्वारी का सामना करना पड़ा। पिछले साल का तजुर्वा बड़ा ही तल्ब रहा। सऊदी अरब में मकान का किराया 750 रियाल लिया गया और उनको दूर दराज इलाकों में मकान दिया गया। और उनको दूर-दराज इलाकों में मकान दिया गया। जईफ भर्द व औरत हाजियों को बड़ी मुसीबत और दुश्वारियाँ उठानी पड़ीं। इस साल सऊदी हुकमत ने मकान का किराया कैंटगरी तम्बर वन मक्का मकरमा 1200 रियाल, मदीना मुन्व्वरा 300 रियाल कैंटगरी तम्बर 2 मक्का मकरमा 1000 रियाल और मदीना मुन्व्वरा 300 रियाल यानी 1500 से 1300 रियाल तकरीबन 5 से 6 हजार रुपया ज्यादा खर्च करना होगा। यह रुपया किराया ड्राफ्ट के साथ अलग ड्राफ्ट मिलाकर जमा करना होगा।

उपसभापति : आप जरा मुक़दसर बोलिये।

श्री मोहम्मद अमीन अंसारी : काबिले एतराम महोदया, सरकार को मेरा मशविरा है सऊदी हुकमत से राबता कायम करे और जोर दे कि हिन्दुस्तानी हाजियों से लाजिमी किराया मकान से मुस्तसना करे। वरना अन्देशा है कि हिन्दुस्तान के बहुत से हाजी हज जैसे मुकद्दस फरोजे से महकूम रह जायेंगे।

आज़मीने हज के लिए प्रधान मंत्री जनाब राजीव गांधी ने इस साल भी समुद्री जहाजों का इंतजाम करके अपने नेक जज्बे की मिसाल कायम की। उनका शुक्रिया और मुबारकवाद पेश करता हूँ।

मुझे पूरी उम्मीद है कि सेक्यूलरिज्म के मुहाफिज प्रधान मंत्री जनाब राजीव गांधी परवाजों के इतेजामात किराये को कमी सज्दी में मकानात के किराये से मुस्तसना करने में मदद फर्मायेंगे। उनकी तरफ हिन्दुस्तानी ग्राजमीने हज्जाज की निगाहें लगी हुई हैं। मैं जानता हूँ इज्जत-मुआब मुहतरम साह फहद साहब हुक्मरा सज्दी अरेबिया जनाब राजीव गांधी का दिल से एहताराम करते हैं। खासतौर से हिन्दुस्तानी हाजियों से इनको लगाव है। बहुत-बहुत शुक्रिया आपका।

اُشدری محمد امین انصاری
(اثر پردیہ) : قابل اہتمام قیدی
چہرہ من صاحبہ پچھلے سال ۲۲ ہزار
لوگ ہندوستان سے حج کرنے گئے -
سازے چار ہزار حج یاتری سندری
جہاز اور سازے اٹھارہ ہزار وسانوں سے -
پچھلے سال سعودی ایدر لائنز سے دس
ہزار ایدر انڈیا سے ۱۲ ہزار حج
یاتریوں کھلے جدہ تک آمد و رفت
کا انتظام مرکزی حج کمیٹی بمبئی
نے کیا تھا - ان سب پروازوں کا
پروگرام بہت ناقص و بے ترتیب رہا -
تقریباً پانچ ہزار عازمین حج کو
دہلی سے پرواز کرنا تھا - آمد و
رفت دہلی جدہ کا کرایہ ۸۳۲۳ روپیہ
لیا گیا جو بہت زیادہ ہے - یہ
فضائی کمپنیاں تجارتی ادارے ہیں -
یہ سکنٹرل حج کمیٹی کو کمیشن
دیتی ہیں - ثبوت کے طور پر کہا
جاتا ہے کہ اکثر کھلے بازار میں کوئی
یکمشت ۲۳ ہزار ٹکٹ خریدے تو
۸۳۲۳ روپیہ سے ٹکٹ کر تقریباً چار
ہزار روپیہ رہ جائے گا - میں وزارت

خارجہ سے کہنا چاہتا ہوں کہ اگر سیلنبرل حج کمیٹی بمبئی نے ۲۳ ہزار ٹکٹ خرید کیا ہے تو اسکو کتنا روپیہ کمیشن ملا ہے - اس مرتبہ جو کمیشن وہمان کمپلیوں سے ملے ہو یہ رقم عازمین حجاج کے کرایہ سے گھٹا کر شرافت کرایہ کا لے - تاکہ سیدھے بوجہ روپیہ کا حج یا تریوں پر نہ پڑے -

سہوادیہ جی - ایر انڈیا کا کرایہ بہت زیادہ ہے۔ بھارت سرکار ایر انڈیا پر دیباغی قالے اور پوری فیس داری دے کہ وہ نو لوٹ - نو پروٹ نو حجم کے نیک کام کیلئے پروازوں کا انتظام کرے۔ اور جنوری کے دوسرے ہفتہ میں طیاروں کے پروگراموں کا پہلے سے اعلان کرے۔

سہوادیہ جی - پچھلے سال چارٹن کی چارٹر کمپنی نے کلکڑہ جدہ آمد و رفت کرایہ چھ ہزار چھ سو روپیہ لیا تھا - اس کے مقابلہ میں ایر انڈیا کا کرایہ ۱۱ ہزار روپیہ سے زیادہ تھا - اس سے اندازہ لگا سکتے ہیں کہ کتنا بڑا فرق ہے سراسر لوٹ کا نفعہ بن گیا ہے - کلف کے چارٹر ویمنوں کا کرایہ بہت کم ہے اسی حساب سے ایر انڈیا کو کرایہ لینا چاہئے - مرکزی سوکار غور و فکر کرے۔

سیکولوازم کی بنیاد پر ہماری
جمہوریت کی جڑیں مضبوط ہیں

[شری مہمند انصاری]

یہی وجہ ہے کہ مرکزی سرکار ہو یا ریاستی سرکاریں ہر دھرم مذہب کے ماننے والوں کے دھارمک موقعوں پر کروڑوں روپیہ خرچ کرتی ہیں۔ حج بھی اسلام دھرم کے ماننے والوں کے فرائض میں ایک متبرک اہم فرض ہے۔ کیا مرکزی سرکار اسمیں ہاتھ بٹائیگی۔ اسے اس میں حصہ لینا چاہئے۔

مہندیہ جی - پچھلے سال عازمین حجاج کو دہلی و بمبئی میں زبردست مصیبتوں تکلیفوں و بے عزتی کے علاوہ حج جیسے متبرک فریضے سے محروم رہنا پڑا۔ یہ ساری ذمہ داری مرکزی حج کمیٹی خاص طور سے یو۔ پی۔ و دہلی حج کمیٹیوں کی نابل کو تباہی بدانتظامی۔ ظلم و ستم و بدعنوانیوں کی چمچ و پیکار چاروں طرف گونجتی رہی۔ اخباروں میں واقعات تفصیل سے چھپتے رہے۔ مگر انسوس ہے ابھی تک دہلی اور یو۔ پی۔ حج کمیٹی بدرفتار نہیں کی گئی۔ جس سے مرکزی سرکار کی چھوٹی دھومل ہو رہی ہے۔ ان دنوں حج کمیٹیوں کو فوراً برخاست کیا جائے۔ نئی کمیٹیاں بنائی جائیں۔ جس میں تجربہ کار دیہاندار مستحق پبلوٹ ایثار و قربانی کا جذبہ رکھنے والے لوگ شامل کئے جائیں۔ جلد سے جلد مرکزی حج

کمیٹی بمبئی کو معہ دفتر کے دہلی منتقل کیا جائے۔ اسکا نام سنٹرل حج کمیٹی رکھا جائے۔

اسٹیٹ حج کمیٹی کی طرح بمبئی حج کمیٹی کی حیثیت مہاراشٹر اسٹیٹ حج کمیٹی کی ہو۔ وہ صرف سمندری جہازوں اور بمبئی سے پرواز کرنے والے طیاروں کا انتظام سنٹرل حج کمیٹی دہلی کی ہدایت پر کرے۔ اسٹیٹ حج کمیٹیاں اپنے کوٹہ کے مطابق اپنے اسٹیٹ میں سمندری جہازوں و یمانوں کا قریعہ اندازی مرکز کے پروگراموں کے مطابق کرے۔ اور اسکی تعمیری اطلاع سنٹرل حج کمیٹی دہلی کو دے۔ تاکہ عازمین حجاج کو اپنے جہازوں کا پروگرام پہلے سے معلوم ہو سکے۔

عازمین حجاج کی سہولیت اور بھڑے بازار کو کم کرنے کوئلے ہوائی جہازوں کا انتظام جدہ کوئلے بمبئی۔ بنگلور۔ مدراس۔ شری نگر۔ دہلی۔ کلکتہ۔ وارانسہ۔ یا الہ آباد سے کیا جائے۔

ہندوستان کے حجاج کرام کو سنہ ۱۹۸۸ء کے حج میں ایک نئی دہرازی کا سامنا کرنا پڑا۔ پچھلے حج کا تجربہ بڑا ہی تلخ رہا۔ دی عرب میں مکان کا کرایہ دیاں لیا گیا۔ اور انکو دروازوں علاقوں میں مکان دیا گیا۔

ضعیف مرد عورت حاجیوں کو بڑی
مصیبت اور دشواریاں اٹھانی پڑیں۔
اس سال سعودی حکومت نے مکان
کا کرایہ :

کیٹے گئی نمبر ۱ مکہ مکرمہ
بارہ سو ریال - مدینہ منورہ تین سو
ریال کیٹے گئی نمبر ۲ مکہ مکرمہ
ایک ہزار ریال - مدینہ منورہ تین
سو ریال یعنی ۱۵ سو سے ۱۳ سو
ریال تقریباً پانچ سے چھ ہزار روپیہ
زائد خرچ کرنا ہوگا - یہ روپیہ کرایہ
ذرافت کے ساتھ الگ ذرافت ملا کر
جمع کرنا ہوگا -

اب سبھا پتی : آپ ذرا مختصر
بولئے -

شری متحدہ انصاری :
قابل احترام ڈپٹی چیئرمین صاحبہ -
مرکزی سرکار کو مہر مشورہ ہے
سعودی حکومت سے رابطہ قائم کرے
اور زور دے کہ ہندوستانی حاجیوں
سے لازمی کرایہ مکان سے مستثنی
کرے - ورنہ اندیشہ ہے ہندوستان کے
بہت سے حاجی حج جیسے مقدس
فریضے سے محروم رہ جائیں گے -

عالمین حجاج کیلئے یوڈھان
ملتوی جناب واجو گاندھی نے اس
سال بھی سمندری جہازوں کا انتظام
کر کے اپنے نیک جذبے کی مثال قائم
کی ہے - میں ان کا شکریہ ادا کرتا

ہوں اور انہیں اسکے لئے مبارکباد
پیش کرتا ہوں -

ملتوی پوری امید ہے کہ سیکولورم
کے محافظ یوڈھان ملتوی جناب
واجو گاندھی جی پروازوں کے
انتظامات کرایہ کی کمی سعودی عرب
میں مکانات کے کرایہ سے مستثنی
کرنے میں مدد فرمائیں گے - انکی
طرف ہندوستانی زمین حجاج کی
نکالیں لگی ہوں - ہوں جانتا
ہوں کہ عزت مآب مستادم شاہ بہت
صاحب حکمران سعودی عرب جناب
واجو گاندھی جی کا دل سے احترام
کرتے ہیں - خاص طور سے ہندوستانی
حاجیوں سے انکو کاؤ ہے - شکریہ -]

Suspension of operations by Cycle Corporation of India Limited, Asansol

SHRI SUNIL BASU RAY (West Bengal);
Madam, I want to draw the attention of the
Industries Minister and also the Labour
Minister to the situation arising out of almost
suspension of all operations by the
management of the Cycle Corporation of
India Ltd. at Asansol Works. The Cycle
Corporation of India Ltd. have one
insatallation at Asansol and one other at
Kalyani in Nadia and their head office is
situated at Calcutta.

Now, almost four thousand workers are on
the verge of a deep crisis. They do not know
whether the Factory will run, whether any-
thing will come out of it, because there is
almost nil input in the Factory, the production
is almost suspended and the workers are
facing difficulties in getting their monthly
salary. This month also they had a lot of
trouble, and after much per-